

शरीर, देह, बदन 11. मांस, गोश्त मुहा. पिंड छूटना- छुटकारा मिलना; पिंड छोड़ना- पीछा छोड़ना।

पिंडक पुं. (तत्.) 1. गोलाकार पिंड, गोला 2. लोबान 3. शिला रस, गाजर।

पिंडकार वि. (तत्.) पिंड के आकार का, गोलाकार।

पिंड खजूर पुं. (तद्.) 1. खजूर की जाति का एक पेड़ 2. उक्त पेड़ के फल जो बहुत मीठे होते हैं, छुहारा।

पिंडज पुं. (तत्.) पिंड के रूप में जन्मने वाला जीव, प्राणी के गर्भ से उत्पन्न जीव, जरायुज।

पिंडद पुं. (तत्.) पिंड दान करने वाला, श्राद्ध करने वाला 2. वंशज।

पिंडदान पुं. (तत्.) पुं. पितरों को पिंड अर्पित करने का कर्म।

पिंडपात पुं. (तत्.) 1. पिंडदान 2. भिक्षा-पात्र में प्राप्त भिक्षा, भिक्षा दान।

पिंडपातिक पुं. (तत्.) दान या भिक्षा से जीवन-निर्वाह करने वाला व्यक्ति, भिक्षुक, भिखमंगा।

पिंडपाद पुं. (तत्.) हाथी।

पिंडपुष्प पुं. (तत्.) 1. अशोक का पेड़ और उसका फूल 2. अनार का पौधा 3. कमल 4. जपा का फूल।

पिंडपुष्पक पुं. (तत्.) बथुआ नामक साग।

पिंडफल पुं. (तत्.) कद्दू।

पिंडयज्ञ पुं. (तत्.) श्राद्ध-कर्म।

पिंड रोग पुं. (तत्.) 1. ऐसा रोग जो शीघ्र अच्छा न हो सकता हो 2. कोढ़ 3. पांडु रोग, पीलिया।

पिंडरोगी वि. (तत्.) जो सदा रोगी रहता हो और शीघ्र स्वस्थ न हो सके।

पिंडली स्त्री. (तद्.) घुटने और एड़ी के बीच का वह मांसल स्थान जो टांग के पीछे की ओर होता है।

पिंडलेप पुं. (तत्.) पिंड का वह अंश जो पिंडदान के समय हाथों में चिपक जाता है तथा वृद्ध प्रपितामह आदि तीन पितर अधिकारी होते हैं।

पिंड लोप पुं. (तत्.) 1. पिंडदान का न किया जाना, श्राद्ध-कर्म का लोप 2. पिंड देने वाले वंशजों का लोप, निर्वंश होना।

पिंड लोलक पुं. (तत्.) भौति., गणि. लोलक, दोलक।

पिंड संबंध पुं. (तत्.) 1. मृत व्यक्तियों में और जीवित व्यक्तियों में वह संबंध जिससे जीवित मृतकों का श्राद्ध कर सकें, संतान और पितरों का संबंध 2. पिंडदाता और पिंड भोक्ता का संबंध।

पिंडस्थ वि. (तत्.) 1. गर्भ में स्थित, गर्भस्थ 2. शरीर में स्थित 3. जो पिंड या लोंदे के रूप में आया या लाया गया हो।

पिंडा स्त्री. (तद्.) 1. पिंड, शरीर 2. गोला 3. ठोस या गीली वस्तु का गोल-मटोल टुकड़ा।

पिंडापानी पुं. (तद्.) श्राद्ध और तर्पण।

पिंडाशक पुं. (तत्.) भिक्षुक।

पिंडित वि. (तत्.) 1. पिंडाकार बनाया हुआ 2. पिंड के समान लपेटा हुआ।

पिंडी स्त्री. (तत्.) 1. गोला 2. टांग की पिंडली वि. (तत्.) 1. श्राद्ध में अर्पित पिंडों को प्राप्त करने वाला 2. शरीरधारी पुं. (तद्.) 1. पितर 2. पिंडदान करने वाला व्यक्ति।

पिंडीकरण पुं. (तत्.) पिंडाकार अथवा गोलाकार बनाने की क्रिया।

पिंडीशूर पुं. (तत्.) 1. घर बैठे बहादुरी दिखलाने वाला व्यक्ति 2. अधिक खाने वाला, पेटू।

पिंडूक पुं. (देश.) 1. पंडूक 2. उल्लू।

पिंडोदक क्रिया स्त्री. (तत्.) पूर्वजों के निमित्त किया गया पिंडदान और तर्पण।

पिंडोपजीवी वि. (तत्.) दूसरों के दिए भोजन से जीवन-निर्वाह करने वाला 2. भिखमंगा।

पिंडोल पुं. (तद्.) पीले रंग की मिट्टी, पोतनी मिट्टी।